नया हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com
रांची, रविवार, 15 जून 2025

'रेणु' को बताई हिरामन ने अपनी तीन कसमें

फणीश्वर नाथ 'रेणु' को अपने आंचलिक उपन्यास 'मैला आंचल' से हिंदी साहित्यिक जगत में अभूतपूर्व ख्याति मिली। उन्हें प्रेमचंद के कद का उपन्यासकार और 'मैला आंचल' को 'गोदान' के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ उपन्यास कहा गया। अपने लेखन के जरिये आंचलिक जीवन को साहित्य में प्रतिष्ठित करनेवाले 'रेणु' पर हाल ही में आई पुस्तक 'फणीश्वरनाथ 'रेणु' : समय, साहित्य और समाज के शिल्पी' से प्रस्तुत है एक संपादित अंश...

पुस्तक अंश

फणीश्वरनाथ 'रेणु'
समय, साहित्य और समाज के शिल्पी
प्रधान संपादक : डॉ. सच्चिदानंद जोशी
संपादक : डॉ. कुमार संजय झा
प्रकाशक : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, मूल्य : ₹ 900

कालो बाबू को रेणु ने एक बार बताया था कि यह गांव कैनेडी पहाड़ी की क्रोड में बसा है, इसलिए इसका नाम कोर्रा पड़ा होगा। एक दिन सुशील राय चौधरी से वे बात कर रहे थे कि अचानक उनकी नजर हिरामन पर पड़ी। वे उसके पास गए और उससे हिलमिलकर बात करने लगे। इतने प्यार से, सम्मान से भला और कौन इस साधारण आदमी से बात कर सकता था।

रेणु ने हिरामन महतो से पूछा- "पेड़-पौधों की देखभाल के अलावा और कोई काम आता है?" उसने कहा कि तीन काम छोड़कर मैं बहुत तरह के काम कर सकता हूं।

तब रेणु की दिलचस्पी बहुत बढ़ गई। उन्होंने पूछा कि वे तीन काम कौन-से हैं, जिसे तुम नहीं कर सकते हो?

उसने कहा, "रेणुबाबू, वे तीनों काम भी मैं कर सकता हूं, लेकिन मैंने कसम खाई है कि ये तीन काम नहीं करना है, क्योंकि इन्हें करने पर लफड़ा है, परेशानी है।"

तब रेणु ने पूछा, "कौन-कौन-सी कसमें तुमने खायी हैं?"

हिरामन ने बताया, "पहली कसम यह है कि कभी झूठ नहीं बोलूंगा। वह गाना है न, सजन रे झूठ मत बोलो! खुदा के पास जाना है।... झूठ बोलने से लोक तो बिगड़ता ही है, परलोक भी बिगड़ जाता है।"

यह सुनकर रेणु खिलखिलाने लगे। हिरामन ने तब कहा, "रेणु बाबू, आपकी आवाज तो हू-ब-हू फेनूगिलासी है।"

रेणु ने पूछा, "यह फेनूगिलासी क्या होता है?" "अच्छा आप नहीं जानते? चलिए दिखाता हूं।" वह रेणु को कमरे में ले गया और ग्रामोफोन को दिखाकर कहा, "यही तो फेनूगिलास है।"

रेणु ने समझा। शब्द-निर्माण की प्रक्रिया को तो वे जानते ही थे।

वे समझ गए कि फोन कैसे फेनू हो गया और ग्रामो गिलास। फिर उन्होंने पूछा, "और तुमने दूसरी कसम कौन-सी उसने कहा, "कभी चोरी नहीं करनी है।"

रेणु ने कहा, "तुम्हारी दोनों कसमें तो एक अच्छे आदमी की पहचान हैं। तुम असली आदमी हो, जो झूठ नहीं बोलता और चोरी नहीं करता, वही सच्चा और ईमानदार है। लेकिन तुम्हारी तीसरी कसम कौन-सी है?"

उसने कहा, "पराई नारी को जिंदगीभर बुरी नजर से नहीं देखना ही मेरी तीसरी कसम है।"

तीसरी कसम तो लाजवाब थी। रेणु सुनकर निहाल हो गए। हिरामन का रेणु की मधुर बातें सुनकर इस्स कहना, कभी 'इस-बिस' कहना, कान चुनियाकर गप सुनना, हैफवाली बात, डैम-फैल-लैट, पटपटांग, खलास आदि शब्द इसी हिरामन से रेणु ने सीखे थे और उससे पूछकर अपनी नोटबुक में अर्थ भी लिखा था। उन्होंने अपने नोटबुक में लिखा- 'जा रे जमाना' का मतलब यह है कि यह पुराने जमाने की बात थी, जो चली गई या गुजर गई। उस जमाने की अद्भुत-अपूर्व बातें, जो अब नहीं घटित होने वाली। इसलिए जा रे जमाना! यानी गुजर